DAILY NEWS BULLETIN

LEADING HEALTH, POPULATION AND FAMILY WELFARE STORIES OF THE DAY

Tuesday 20210420

Coronavirus (Hindustan: 20210420)

https://epaper.livehindustan.com/imageview_774505_109108422_4_1_20-04-2021_3_i_1_sf.html

विश्लेषण: कोरोना की दूसरी लहर पहली के मुकाबले ज्यादा दमघोंटू

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

कोरोना की दूसरी लहर पहली की अपेक्षा ज्यादा दमघोंटू है। यानी ऑक्सीजन पर भर्ती मरीज इस बार अधिक हैं। हालांकि दूसरी लहर में बड़े पैमाने पर युवाओं के संक्रमित होने की बात गलत है। इसमें मामूली बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह दावा किया।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी. के. पॉल, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव तथा एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने कोरोना के नेशनल क्लिनिकल रजिस्ट्री के आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि दोनों लहर के दौरान अस्पतालों में भर्ती 70% से ज्यादा मरीज 40 साल से अधिक उम्र के थे।

पहली बनाम दूसरी लहर : मरीजों में क्या अंतर

परेशानी	पहली लहर (सितंबर-नवंबर 2020)	दूसरी लहर (मार्च-अप्रैल 2021)
ऑक्सीजन पर भर्ती	41.1	54.5
मृत्युदर	9.6	9.7
वेंटीलेटर पर भर्ती	37.3	27.8
पहले से बीमारी	54.9	48.6
पुरुषों में संक्रमण	64.5	63.8
बिना लक्षण भर्ती	87.4	74.5

ये आंकड़े देश के 40 अस्पतालों में भर्ती 9485 मरीजों (पहली लहर 7600, दूसरी लहर 1885) पर आधारित हैं। आंकड़े 1 सितंबर से 9 अप्रैल के बीच लिए गए।

नोट : सभी आंकड़े प्रतिशत में

पिछली लहर में 0-19 साल उम्र वर्ग के मरीज 4.2% थे, जो इस बार 5.8 % हैं।

इसी प्रकार 20-40 साल के मरीज पिछली बार 23.7% थे जो इस बार 25.5% हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादा मरीजों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। पहली लहर में भर्ती 41.1% मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही थी, लेकिन इस बार यह 54.5% हो गया है। पॉल ने कहा कि लांसेट ने हवा से कोरोना के संक्रमण की बात कही है। इसलिए मास्क और दो गज की दूरी जरूरी है।

Immunity (Hindustan: 20210420)

https://epaper.livehindustan.com/imageview_774505_108965846_4_1_20-04-2021_3_i_1_sf.html

https://epaper.livehindustan.com/imageview_774506_108649884_4_1_20-04-2021_4_i_1_sf.html

परामर्श

ज्यादा नमक और चीनी से परहेज कर इम्युनिटी मजबूत रखें

कोरोना से डरिए मत सावधान रहिए 07

ज्यादा नमक और शक्कर वाला भोजन करने से परहेज रखकर आप अपनी इम्युनिटी को मजबूत रख सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्वस्थ वयस्कों के लिए दिए गए दिशानिर्देशों में यह सलाह दी गइहै। पारंपरिक रूप से भारत में यूरोप-अमेरिका के मुकाबले ज्यादा नमक व चीनी का इस्तेमाल किया जाता है इसलिए हमें और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। वैश्विक निकाय के मुताबिक, ये दोनों खाद्य पदार्थ हमारे श्वसन तंत्र की सेहत के लिए खतरनाक साबित होते हैं।

अनप्रोसेस्ड भोजन को प्राथमिकता

डब्लूएचओ के मुताबिक, दैनिक भोजन में हमें अनप्रोसेस्ड फूड या ऐसे खाद्य पदार्थ को प्राथमिकता देनी चाहिए जो ताजा पकाया गया हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रोसेस्ड फूड केमिकल युक्त होता है क्योंकि यह पहले से बनाकर रख दिया जाता है और लंबे समय तक संरक्षित रखने के बाद उपयोग किया जाता है। इनमें केमिकल होता है। इस तरह के खाद्य से दिल की बीमारी का खतरा रहता है और दिल के मरीजों के कोरोना संक्रमित होने का जोखिम बढ़ जाता है।

ऐसा भोजन करें

डब्लूएचओ के मुताबिक, अपने भोजन में ताजे फलों व हरी सब्जियों को शामिल करें। जिससे आपके शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व विटामिन, खनिज, फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट मिल सकें। शाम के समय हल्की भूख लगने पर कच्ची सब्जियां और ताजे फल खाएं। डिब्बाबंद फल या सब्जियां ऐसे खरीदें, जिनमें नमक और शक्कर ज्यादा न हो।

काढ़ा बीमार न कर दे

पहली लहर में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों और जड़ी बूटियों का बहुत अधिक सेवन करने के कारण बीमार पड़े। डब्ल्यूएचओ कहना है कि मौसम के हिसाब से किया जाने वाला भोजन ही सबसे पोषणयुक्त होता है और यही हमारी प्रतिरक्षा क्षमता को बढ़ाता है इसलिए इस बात का विशेष ध्यान रखें। जड़ीबूटी व काढ़े का उपयोग लोग रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने को करते हैं पर,पर ऐसा कोई प्रामाणिक आधार नहीं है।

व्रत-रोजा रखते हुए जरूरी सावधानी बरतें

रमजान का महीना चल रहा है और कई लोग साप्ताहिक व्रत भी रखते हैं। सप्ताह में एक दिन व्रत रखने के बारे में वैज्ञानिक मानते हैं कि इससे पाचन तंत्र को लाभ होता है और शरीर के टॉक्सिक बाहर निकल पाते हैं। पर इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है कि व्रत वाला भोजन ज्यादा तैलीय न हो क्योंकि इससे व्रत का लाभ नहीं मिलेगा।

खूब पानी पियें

गर्मी में पानी पीने के लिए प्यास लगने का इंतजार न करें क्योंकि प्यास का अहसास तब होता है जब शरीर में पानी की कमी हो चुकी होती है।

मानसिक सेहत

पिछले एक साल से जारी कोरोना के हालात से परेशान लोगों को अपनी मानसिक सेहत पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

नमक के नुकसान

• डी-हाइड्रेशन : शरीर में पानी की कमी • मोटापा : चीनी-नमक दोनों से बॉडी फैट में वृद्धि • कैंसर : पेट के कैंसर का खतरा • हृदय रोग : रक्तचाप बढ़ने के कारण • गुर्दा रोग : गुर्दे पर असर • पथरी : शरीर में पानी का स्तर बिगड़ने से • ऑस्टियोपोरोसिस : हड्डियों का रोग

Vaccination (Hindustan: 20210420)

ऐलान: एक मई से 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को टीका

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

देश में गहरा रहे कोरोना संकट के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। एक मई से 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोग टीका लगाने के पात्र होंगे। हालांकि, उन्हें टीका या तो राज्य सरकारें मुहैया कराएंगी या फिर निजी अस्पतालों में शुल्क चुकाकर लगवाना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने टीकाकरण के लिए तीसरे चरण की योजना का ब्योरा दिया।

मंत्रालय ने बताया, मौजूदा कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम पहले की भांति ही जारी रहेगा जिसमें 45 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाया जाता है। सरकारी केंद्रों पर यह निशुल्क है लेकिन निजी केंद्रों पर 250 रुपये प्रति टीका लिया जाता है। तीसरे चरण में सरकार ने टीका उत्पादक कंपनियों के लिए यह प्रावधान किया है कि वे कुल उत्पादन का 50% टीका केंद्र सरकार को आपूर्ति करेंगे। बाकी 50 फीसदी राज्यों को या खुले बाजार में बेच सकते हैं। इसलिए 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीके की व्यवस्था या तो राज्य सरकारों को अपनी तरफ से करनी होगी या वह निजी अस्पतालों में टीका लगा सकेंगे।

खुले बाजार में भी मिलेगी

सरकार ने टीका देने के नियमों में भी बड़ा बदलाव किया है। निजी फार्मा कंपनियां कुछ शर्तों के साथ टीके को खुले बाजार में भी बेच सकेंगी।

ब्योरा पेज 09

Health Committees (Hindustan: 20210420)

https://epaper.livehindustan.com/imageview_774507_52752118_4_1_20-04-2021_5_i_1_sf.html

ऑक्सीजन की आपूर्ति और दुरुपयोग पर सरकार को रिपोर्ट देगी

12 अस्पतालों में बनाई गई ऑक्सीजन ऑडिट समिति

फैसला

02 दो चिकित्सकों की टीम का गठन किया गया है प्रत्येक अस्पताल के लिए

10 नोडल अधिकारी पहले ही तय कर चुकी है सरकार कोविड मरीजों की मदद के लिए

नई दिल्ली | **वरिष्ठ संवाददाता**

कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी के बाद सरकार अलर्ट हो गई है। सरकार ने अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति और खपत पर निगरानी बढ़ाने के लिए ऑक्सीजन ऑडिट समिति का गठन किया है। दिल्ली के 12 बड़े कोविड अस्पतालों के लिए 12 ऑक्सीजन ऑडिट समिति बनाई गई है।

सरकार की ओर से गठित की गई समिति में प्रत्येक अस्पताल के लिए दो-दो डॉक्टरों की टीम का गठन किया गया है। समिति का काम कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति और उसके खपत पर नजर रखना है। यानि अस्पताल में कितना ऑक्सीजन आया, कितने ऑक्सीजन का प्रयोग हुआ कितना स्टॉक में बचा है। इसकी दैनिक रिपोर्ट इस ऑडिट समिति को बनाकर देना होगा। इसके अलावा कोविड मरीजों के लिए ऑक्सीजन प्रयोग के लिए तय किए गए प्रोटोकॉल के तहत ही ऑक्सीजन का प्रयोग हो रहा है कि इसपर भी यह टीम ऑडिट करेगी।

सभी जरूरतमंदों को बराबर मिले ऑक्सीजन : ऑडिट टीम की यह भी जिम्मेदारी होगी की ऑक्सीजन सभी जरूरतमंद मरीजों को बराबर मात्रा में मिले। कही ऐसा तो नहीं हो रहा है कि किसी मरीज को जरूरत से ज्यादा ऑक्सीजन दिया जा रहा है जिसकी उसे जरूरत भी नहीं है। इसके अलावा ऑक्सीजन के बेवजह नुकसान वाली बिंदुओं पर भी यह ऑडिट टीम अपनी नजर रखेगी। जिससे ऑक्सीजन की नुकसान को बचाकर ज्यादा से ज्यादा मरीजों को दिया जा सके।

इन अस्पतालों में गठित की गई टीम

1. संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल
2. अंबेडकर नगर अस्पताल
3. आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल
4. दीपचंद बंधु अस्पताल
5. बुराड़ी अस्पताल
6. डॉ. बीएसए अस्पताल
7. राजीव गांधी अस्पताल
8. जेपीएसएस अस्पताल
9. जीटीबी अस्पताल
10. एसआरएचसी अस्पताल
11. डीडीयू अस्पताल
12. लोकनायक अस्पताल

Infection (Hindustan: 20210420)

https://epaper.livehindustan.com/imageview_774507_53400324_4_1_20-04-2021_5_i_1_sf.html

संक्रमण से 240 ने दम तोड़ा, 23686 नए केस

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

दिल्ली में कोरोना से दम तोड़ रहे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सोमवार को दिल्ली में 240 मरीजों की मौत हो गई। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सोमवार को 23686 नए संक्रमित मरीज सामने आए जबकि 21500 मरीजों को छुट्टी दी गई। वहीं 240 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया।

दिल्ली में अभी तक 877146 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 787898 मरीज कोरोना से ठीक हो चुकें हैं। वहीं 12361 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.41 फीसदी हो गई है। सक्रिय मरीजों की संख्या 76887 हो गई है। विभाग के अनुसार दिल्ली में रविवार को 90696 टेस्ट हुए जिसमें 26.12 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। दिल्ली में 15039 हॉटस्पॉट हो गए हैं। बीते 24 घंटे में 48088 लोगों को वैक्सीन लगी।

Covid-19: What you need to know today (Hindustan Times: 20210420)

https://epaper.hindustantimes.com/Home/ArticleView

No one should be writing letters (or, for that matter, columns, other than people whose job it is to) in the midst of the pandemic.

There's work to be done, and because such is the nature of governance — the others can volunteer, and do good, if they want to, but are unlikely to have as much impact as the State — much of it will have to be done by those in power, in the Centre and the states.

I'm sure some of these are already being done, but since epistolary duties can be distracting, here is a quick list of what needs doing — right now. This is important not just to help India tide over this wave of the coronavirus disease pandemic, but to also prepare it for the next. That a lot of what follows wasn't done (or wasn't done at scale) is evident from the crisis on our hands. Daily cases are nearing 300,000. Only one country, the US, has seen more, and that too on only one day. We look set to beat the record. Deaths are already at record highs (with the exception of one day last June when both Delhi and Maharashtra deemed it fit to get their death numbers in order). Hindustan Times has reported from Madhya Pradesh and Uttar Pradesh (bit.ly/3eujgCf; bit.ly/2REevOs) that there is a clear disconnect between the fatalities claimed by the state (and therefore, those on the HT dashboard) and the numbers being reported by local crematoriums and graveyards. Everything is in short supply — oxygen, ICU beds, and ambulances. I'm not mentioning remdesivir, because despite India's obsession with it, there is really no evidence proving its effectiveness or that of plasma (the research in this case is quite clear: it doesn't work for Covid-19).

Provoked by a piece in Scroll.in that pointed out that a plan to install 162 oxygen plants in district hospitals in India — something that would have definitely helped at a time like this — wasn't going to script (https://scroll.in/article/992537/india-is-running-out-of-oxygen-covid-19-patients-are-dying-because-the-government-wasted-time), the health ministry pointed out that 33 are ready, and that another 47 will be ready by the end of May (with 26 of these being completed by the end of April). That's just around half the planned number. The story refers to an announcement made last week by the government about a plan to set up another 100 oxygen plants. Even as everyone comes together to address the current oxygen shortage, it is important to keep an eye on this. India needs those oxygen plants.

The other thing it desperately needs to do is sequence more viral genomes. Among the burning topics of discussion in the international scientific community right now is the nature of behaviour of the strain of the virus with the double mutation (B.1.617) that was first identified in India. Another topic of discussion is either the rampant gaming of RT-PCR tests by passengers flying out of India or the poor quality of Indian RT-PCR tests. Hong Kong, on Monday, banned flights from India till May 3 after a large number of passengers on a flight from Mumbai tested positive. If India doesn't address both issues immediately, it may face

similar bans from other countries. Canada, for instance, is reporting similar problems with passengers from India.

And finally, with cases surging, India has to take a hard call on vaccines. At least 90% of those eligible for their second shots of the vaccine between now and May 31 have been administered Covishield. There's enough scientific evidence to show that: one, even one dose gives people a much better chance at fighting off severe infections; and two, a three-month gap between the first and second dose of Covishield does not reduce the vaccine's efficacy. According to HT's calculations, this number is 71.3 million. In addition, assuming an aggressive target of 4 million vaccinations a day (the government, till a few weeks ago, was speaking about 5 million, but that looks unlikely), 100.7 million people will get their first doses in this period (April 20-May 31). That will take the total number of people who have received at least once dose of vaccine in India to 278.4 million by the end of May.

The government's move to open up supply of vaccines, and expand the eligibility criteria to everyone over the age of 18 years (long delayed, but it came finally on Monday) from May 1 will help meet this target, perhaps even exceed it. At that number, the results, in terms of a fall in infections (or, at the least, hospitalisations), will start making themselves evident.

Health facilities

Saving lives: On health facilities in India (The Hindu: 20210420)

https://www.thehindu.com/opinion/editorial/saving-lives-on-health-facilities-in-india/article34361865.ece

India must quickly improve health facilities to be able to prevent deaths

After painfully negotiating numerous hurdles during the first wave tha

Food security

COVID-19 disrupted food security for millions; will likely reverse progress on ending hunger by 2030: Harsh Vardhan (The Hindu: 20210420)

https://www.thehindu.com/news/national/covid-19-disrupted-food-security-for-millions-will-likely-reverse-progress-on-ending-hunger-by-2030-harsh-vardhan/article34364972.ece

Minister Harsh Vardhan addressed the 54th Commission on Population and Development in the United Nations on April 19

The COVID-19 pandemic has severely disrupted the food security and nutrition for millions of people around the world, and will likely reverse the progress made towards ending hunger by 2030, Minister of Health and Family Welfare Dr. Harsh Vardhan has said.